जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 04, दिसंबर 2020

जामिया के शोधकर्ताओं ने सौर ऊर्जा से चलने वाली कोविड-19 रोगाणुनाशक प्रणाली का आविष्कार किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं ने दूर-दराज़ के इलाकों में कोविड-19 को रोकने के लिए "सोलर पावर्ड सेल्फ जेनरेटिंग डिसिन्फेक्शन सिस्टम" विकसित किया है। इस अहम आविष्कार को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय के आधिकारिक जर्नल में प्रकाशित किया गया है और यह पेटेंट पाने के इंतजार में है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभाग प्रमुख, मोहम्मद इमरान खान और इसी डिपार्टमेंट के सहायक प्रोफेसर, डॉ ओसामा खान ने संयुक्त रूप से, इस सौर ऊर्जा संचालित रोगाणुनाशक प्रणाली का आविष्कार किया है।

इस आविष्कार का मुख्य उद्देश्य, किसी बड़ी भीड़, सार्वजनिक या दूर-दराज़ के इलाकों में सौर ऊर्जा से चलने वाले इस 'सेल्फ जेनरेटिंग डिसिन्फेक्शन सिस्टम' के ज़रिए कोविड -19 या इसी तरह की अन्य बीमारियों को फैलने से रोकना है।

दूर-दराज़ के ऐसे इलाक़ों में, जहां बिजली कटौती आम बात है, वहां यह रोगाणुनाशक आविष्कार, कोविड-19 या उस जैसे अन्य बीमारियों पर क़ाबू पाने में कारगर साबित होगा।

यह सौर उपकरण पीवी मॉड्यूल, चार्ज रेगुलेटर, इन्वर्टर और बैटरी सिस्टम से लैस होगा और इलेक्ट्रोलाइटिक रोगाणुनाशक जनरेटर एक दूसरे के साथ जुड़े रहेंगे। इसके चैम्बर के अंदर से कीटाणुनाशक फुहार निकलेगी जो वहां से गुज़रने वाले व्यक्तियों की किसी भी हानिकारक संक्रमण या बैक्टीरिया से रक्षा करेगी।

यह आविष्कार उस स्थिति में बहुत कारगर साबित होगा, जहां बड़े पैमाने पर लोग एकत्र होते हैं। ऐसे में इस उपकरण को उस सभा स्थल के प्रवेश द्वार पर लगा दिया जाएगा। यह बहुत ही सरल, इको फ्रैंडली, नाॅन टाॅक्सिक उपकरण है। इसमें किसी तरह की जटिलता नहीं है। इसे संचालित करने के लिए थोड़ी मात्रा में पानी की ज़रूरत होती है और दूसरी रोगाणुनाशक

प्रणालियों की तुलना में अपने आप में समग्र और कम लागत वाली प्रणाली है। बिजली की कमी वाले दूर-दराज़ के इलाकों में यह प्रणाली कोविड -19 की वर्तमान स्थिति को रोकने में मददगार होगी।

ऐसे इलाकों, जहां रोगाणुनाशक रसायनों और बिजली की उपलब्धता की कमी हो, वहां के सार्वजनिक स्थानों जैसे बैंकों, मॉल, अस्पतालों, मैरिज हॉल, पार्टी हॉल, हवाई अड्डों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों, मंदिरों, कॉलेजों आदि में सौर ऊर्जा से चलने वाली यह प्रणाली, कोविड-19 और उस जैसी संक्रमण से फैलने वाली बीमारियों को काबू पाने काफी कारगर होगी।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक